Class - 3

Chapter 1

तुम्ही हो माता

मौखिक प्रश्न

1. इस कविता में कवि किससे बात कर रहा है?

इस कविता में कवि ईश्वर से बात कर रहा है।

2. "तुम्ही हो नैया, तुम्ही खेवैया" – इस पंक्ति से कवि क्या कहना चाहता है?

तुम्ही हो नैया, तुम्ही खेवैया" का मतलब है कि ईश्वर ही हमे सही रास्ता दिखाते हैं और मुश्किलों से बाहर निकालते हैं।

पाठ से प्रश्न

(क) हम ऐसे कौन से फूल हैं जो खिल नहीं सकते?

हम ऐसे फूल हैं जो खिल नहीं सकते।

(ख) हम किसके चरणों की धूल हैं?

हम ईश्वर के चरणों की धूल हैं।

(ग) चरण को हम किस अन्य नाम से जानते हैं?

चरण को हम पाँव के नाम से भी जानते हैं।

Ch-2 "आबरा का डाबरा "

मौखिक प्रश्न– 1

1.Q. शिक्षिका कक्षा में किस पोषाक में आईं ?

A. शिक्षिका कक्षा में जादूगर के पोशाक में आईं।

2.Q. शिक्षिका ने जादूई थैले में से क्या निकाला ?

A. शिक्षिका ने जादूई थैले में से एक छड़ी निकाली।

3.Q. हाथ का रुमाल किस खूबसूरत चीज़ में बदल गया?

A. हाथ का रुमाल खूबसूरत कागज के फूलों में बदल गया।

मौखिक प्रश्न– 2

1.Q. जब सब बच्चे खुश हो रहे थे, तब राहुल कहां था ?

A. जब सब बच्चे खुश रहे थे तब राहुल दरवाजे के पीछे खडा था।

2.Q. शिक्षिका ने राहुल से क्या कहा?

A. शिक्षिका ने राहुल से यह कहा कि, "गलती मान लेना अच्छी बात है ।अब दुबारा ऐसा मत करना।"

3.Q. सभी बच्चे शिक्षिका से किसके बारे में पूछने लगे?

A. सभी बच्चे शिक्षिका से अपनी खोई हुई चीजों के बारे में पूछने लगे।

प्रश्नों के उत्तर

1.Q. शिक्षिका ने जादू से कौन-कौन सी चीजें निकलीं ?

A. शिक्षिका ने जादू से किताबें, बोतलें ,पेंसिल आदि निकाली।

2.Q. शिक्षिका ने कक्षा में जादू क्यों दिखाया?

A. राहुल की गलती सुधारने के लिए शिक्षिका ने कक्षा में जादू दिखाया।

3.Q. इस कहानी से आपको क्या सीख मिलती है?

A. इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि किसी की कोई भी वस्तु को बिना पूछे नहीं लेना चाहिए।

Chapter - 3

" नटखट बंदर "

मौखिक - 1

1. बबुआ बंदर कैसा था ?

उ- बबुआ बंदर नटखट था।

2. बबुआ बंदर क्यों घबरा गया ?

उ- आईने में अपने आपको देखकर बबुआ बंदर घबरा गया।

3. आईना दिखाकर उसने क्या किया ?

उ- आईना दिखाकर उसने शेखू को डराया।

4. भीमा ने शेखू से क्या कहा ?

उ- भीमा ने शेखू से कहा - महाराज ! यह बडी अकड़ दिखा रहा है।

मौखिक - 2

1. शेखू शेर ने बबुआ बंदर से क्या कहा ?

उ- शेखू शेर ने बबुआ बंदर से कहा , अच्छा निकाल मेरे जैसा शेर अपने थैले में से।

2. बबुआ किससे डरकर भागा ?

उ- बबुआ शिकारी कुत्तों से ड़रकर भागा।

3. शेर ने क्या सोचकर बंदर से नमस्ते कहा ?

उ- यह बंदर ख़तरनाक है। इससे मिलकर रहने में ही अपनी भलाई है ,यह सोचकर शेर ने बंदर से नमस्ते कहा।

4. बबुआ की सारी अकड़ गायब क्यों हो गई?

उ- थैला हाथ से छूट गया और आईना गिरकर चकनाचूर हो गया। तब बबुआ की सारी अकड़ गायब हो गई।

पाठ से प्रश्न

क. बबुआ कौन था ?

उ- बबुआ एक नटखट बंदर था।

ख. एक दिन उसे क्या मिला ?

उ- एक दिन सड़क पर उसे एक थैला मिला।

ग. शेखू शेर क्यों डर गया ?

उ- आईना में अपनी परछाई को दूसरा शेर समझा और ड़र गया।

घ. बंदर पेड़ पर क्यों चढ़ गया ?

उ- शिकारी कुत्तों के ड़र से बंदर पेड़ पर चढ़ गया।

Chapter - 4

मेहनत का फल

मौखिक प्रश्न

1. चींटी ने क्या देखा?

चींटी ने गोलम-गोल रोटी देखी।

2. रोटी कैसी थी?

रोटी गोलम-गोल थी।

3. सबने रोटी को कैसे सरकाया?

सबने मिलकर जोर लगाकर रोटी को सरकाया।

4. रोटी को किसने खाया?

रोटी को सबने मिलकर खाया।

पाठ से प्रश्न

(क) चींटी ने ज़ोर से क्या कहा?

चींटी ने ज़ोर से कहा, “आओ दिखाऊँ मैंने देखी रोटी गोलम-गोल।”

(ख) चींटी अकेले क्या खींच नहीं पाई?

चींटी अकेले रोटी को खींच नहीं पाई।

(ग) मिलकर सबने क्या किया?

मिलकर सबने रोटी को सरकाया और खाया।

(घ) मिलकर कार्य करने से क्या होता है?

मिलकर कार्य करने से कठिन काम भी आसानी से हो जाता है।